ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ की एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल की तीसरी मीटिंग दिनांक 15.4.2013 (सोमवार) की कार्यवाही

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ की एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल की तीसरी मीटिंग दिनांक 15.4.2013 (सोमवार) को डॉ0 राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ युनिवर्सिटी लखनऊ में सुबह 11:00 बजे वाइस चांसलर की सदारत में आहूत की गई। मीटिंग में शामिल होने वाले मा0 सदस्यों की सूची निम्न है–

1	डॉ0 अनीस अंसारी	कुलपति, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदर
2	श्री सईदुर्रहमान आज़मी	प्रिंसपल, नदवतुल उलमा, लखनऊ	मेम्बर
3	प्रो0 नसीर अहमद खां	सीनियर एडवाइज़र तथा कोआर्डिनेटर, उर्दू प्रोग्राम, इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी, दिल्ली।	मेम्बर
4	अनवर जलालपुरी	फ्लैट नं0–107, F–1, डिन्ग्रा अपार्टमेंट गुरू गोविन्द सिंह मार्ग, लाल कुआँ, लखनऊ।	मेम्बर
5	प्रो0 (डॉ0) सीमा अल्वी	हिस्ट्री डिपार्टमेंट, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली।	मेम्बर
6	डॉ0 ख़्वाजा सैय्यद मोहम्मद यूनुस	संस्थापक एवं प्रबन्धक, इरम एजुकेशनल सोसाइटी, इरम गर्ल्स डिग्री कालेज, सी–ब्लाक, इन्दिरा नगर, लखनऊ।	मेम्बर
7	डॉ0 मोहम्मद रफ़ीक़	अलीगंज, बांदा, उ0प्र0।	मेम्बर
8	प्रो0 सैयद ज़हीर हुसैन जाफरी	प्रो0 एवं हेड इतिहास विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।	मेम्बर
9	डॉ0 मेराज अहमद	असोशियेट प्रोफेसर हिन्दी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।	मेम्बर
10	प्रो0 शब्बीर अहमद	331/229K, मतीन पुरवा, पिक्निक स्पाट रोड, खुर्रम नगर, लखनऊ। साबिक़ सदर अरबी डिपार्टमेंट, लखनऊ युनिवर्सिटी, लखनऊ।	मेम्बर
11	डॉ0 चन्द्र विजय चतुर्वेदी	प्राचार्य (रिटायर्ड) 117 सी/7 मीरापुर (पटेल नगर) इलाहाबाद।	मेम्बर
12	श्री अशोक कुमार	रजिस्ट्रार, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	मेम्बर सेक्रेटरी
13	श्री एस0सी0 संगल	वित्त अधिकारी, ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	–
14	डॉ0 जी0आर0 यादव	ओ.एस.डी., ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फ़ारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ	–

Scanned with CamScanner

3.1 तारीख़ 21 सितम्बर को डा0 राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ के मीटिंग हॉल में हुई एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल की दूसरी मीटिंग में लिए गए फैसलों पर की गई कार्रवाई–

फ़ैसला	कार्रवाई
1– हुकूमत के ख़त नं0–1477/सत्तर–4–2012–3(47) /2010 तारीख़ 24 अगस्त 2012 के ज़रिए असातिज़ह (शिक्षकों) की 74 असामियां मंजूर की गई हैं, जिनमें उर्दू, अरबी, फ़ारसी के अलावा हिन्दी, अंग्रेज़ी, होम साइंस, जुग़राफ़िया (भूगोल), सियासियात (राजनीति–शास्त्र), मआशियात (अर्थशास्त्र), तारीख़ (इतिहास), फ़िज़िकल एजुकेशन, कामर्स (वाणिज्य), मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलज़्मि (जनसंचार और पत्रकारिता), कम्प्यूटर अप्लीकेशन, बी0एड0 और एम0बी0ए0 के लिए ओहदे मंजूर किये गये हैं। हुकूमत के मुताबिक़ फिलहाल पहले तालीमी साल के पहले साल में 50 फ़ीसद यानी प्रोफेसर के 5 (उर्दू, अरबी, फ़ारसी, कामर्स और एम0बी0ए0), एसोसिएट प्रोफेसर के 10 (उर्दू, हिन्दी, अंग्रेज़ी, जुग़राफिया, सियासियात, कामर्स, बी0एड0, एम0ब0ए0 तथा मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म) और असिस्टेन्ट प्रोफेसर के 22 (उर्दू, अरबी, फ़ारसी, होम साइन्स, जुग़राफिया, मआशियात, इतिहास, फिज़िकल एजुकेशन, कामर्स, बी0एड0, एम0बी0ए0, मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज़्म और कम्प्यूटर अप्लीकेशन) के ओहदों पर भर्ती का अमल शुरू कर दिया गया है।	हुकूमत के हुक्मनामें के मुताबिक़ पहले तालीमी साल के लिये फिलहाल उर्दू, अरबी, फ़ारसी, कामर्स, सियासियात, अंग्रेज़ी, ज्योग्राफ़ी, होम साइंस, इकोनॉमिक्स, इतिहास, फिज़िकल एजुकेशन के पद पर भर्ती के लिये इण्टरव्यू की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। हिन्दी, बी0एड0, एम0बी0ए0 और मास कम्यूनिकेशन और सहाफत के इण्टरव्यू इसी महीने में होने की उम्मीद है। बाक़ी कोर्सेज़ जैसे आयुर्वेद और यूनानी, वोकेशनल ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च, क़ानून (3 साला (वर्षीय) और 5 साला कोर्स), सियाहत (Tourism) और हॉस्पिटेलिटी, फ़ासलाती (Distance) एजूकेशन एण्ड ई–लर्निंग, मुख़्तलिफ हिन्दुस्तानी ज़बानों का तक़ाबुली मुताला (तुलनात्मक अध्ययन), और उर्दू, अरबी और फ़ारसी में इन्टरप्रेटर और ट्रांसलेटर वग़ैरह के लिए हुकूमत से मज़ीद ओहदों की मंजूरी के लिये गुज़ारिश की जा रही है।
2– ये यूनिवर्सिटी उ0प्र0 यूनिवर्सिटी एक्ट 1973 के तहत क़ायम की गई है। इस एक्ट की दफ़ा–7 में एक नई दफ़ा–7(ख) का इज़ाफ़ा किया गया है जिसमें यह इन्तेज़ाम किया गया है कि रियासती हुकूमत के ज़रिए नोटिफ़िकेशन के वसीले से बाइख्तियार किए जाने पर यह यूनिवर्सिटी आला तालीम मोहय्या कराने वाले अक़लियती तालीमी इदारों को इल्हाक़ (सम्बद्धता), मदद और सहूलियतें देगी। इस दफ़ा को लागू करने के लिए यूनिवर्सिटी के ज़ाब्तों (Statutes) का ड्राफ़्ट हुकूमत के सामने पेश किया जा चुका है।	हुकूमत से उ0प्र0 यूनिवर्सिटी एक्ट 1973 की दफ़ा–7 (ख) के तहत इस सिलसिले की नोटिफिकेशन जारी करने की गुज़ारिश की जा चुकी है कि आला तालीम मुहैय्या कराने वाली उर्दू, अरबी और फ़ारसी इदारों का इल्हाक़ (सम्बद्धता) करने, मदद और सहूलियतें देने के लिए इजाज़त दी जाए। (इस तअल्लुक़ से हुकूमत को तारीख़ 25 नवम्बर 2011, 26 मार्च 2012, 9 अगस्त 2012 वग़ैरह को ख़त भेजे जा चुके हैं)। अब चूंकि पढ़ाई शुरू होने जा रही है इसलिए फिर से हुकूमत से गुज़ारिश की जाएगी।

Scanned with CamScanner

3– यूनिवर्सिटी में उर्दू, अरबी–फारसी और दूसरी जबानों की तालीम और रिसर्च के अलावा ऐसे कोर्स चलाए जाने का मंसूबा है जिनके जरिए तालिब–इल्मों को तालीम देने के साथ–साथ बारोजगार बनाया जा सके। नये कोर्सेज जैसे बायोटेक्नोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी, इन्फार्मेटिक्स साइंसेज, माहौलियात (पर्यावरण) और लाइफ साइंसेज वगैरह की पढ़ाई का भी इन्तेजाम किया जाए।	जैसा कि पैरा 1 में वाजेह किया गया है कि उर्दू, अरबी, फारसी के अलावा फिलहाल 16 मौजूआत (विषयों) पर पढ़ाई शुरू करने के लिए हुकूमत के जरिये असातिजह के ओहदे मंजूर किए गए हैं, जिन में हिन्दी, बी0एड0, एम0बी0ए0 और मास कम्यूनिकेशन और राहाफत के इण्टरव्यू होना बाक़ी है। बाकी कोर्सेज़ जैसे आयुर्वेद और यूनानी, वोकेशनल ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च, क़ानून (3 साला और 5 साला निसाब (कोर्स)), सियाहत (टूरिज़्म) और हॉस्पिटेलिटी, बायोटेक्नोलॉजी, नैनोटेक्नोलॉजी, इंफार्मेटिक्स साइंसेज़, माहौलियात (पर्यावरण), लाइफ़ साइंसेज़, इंजीनियरिंग वग़ैरह पेशावाराना कोर्सेज़ के लिए असातिज़ह के ओहदे के लिये हुकूमत से दुबारा गुज़ारिश की जाएगी।
4– यूनिवर्सिटी में उर्दू, अरबी या फ़ारसी के अलावा हिन्दुस्तानी ज़बानों की तक़ाबुली तालीम का स्कूल (School of Comparative Indian Literature) को अमेरिकी स्कूल की तर्ज़ पर क़ायम किया जाना मुनासिब होगा। स्कूल ऑफ उर्दू स्टडीज़ के तहत सेन्टर ऑफ कम्परेटिव इण्डियन लिट्रेचर क़ायम किया जाय जिसके तहत उर्दू और दूसरी हिन्दुस्तानी ज़बानों जैसे हिन्दी, कश्मीरी, पंजाबी, सिंधी, मराठी, बंगाली, मलयाली और संस्कृत वग़ैरह के साहित्य का कम्परेटिव मुताला शुरू किया जाए। स्पेनी, चीनी, जरमन, फ़्रांसीसी और जापानी ज़बानों के कोर्स भी शुरू किए जाएं।	हुकूमत से इन कोर्सेज़ को चलाने के लिए अलग से असातिज़ह के ओहदे मंजूर करने के लिये गुज़ारिश की जायेगी। अमेरिकी स्कूलों की तर्ज़ पर फैकल्टी की तश्कील के लिए भी हुकूमत से दरख़्वास्त की जाएगी। मौजूदा क़ानून में डिपार्टमेन्ट का तसव्वुर रखा गया है। ❖ **उर्दू, हिन्दी, अरबी, फारसी और अंग्रेज़ी ज़बान व अदब के तक़ाबुली मुताला का कोर्स जल्दी शुरू किया जायेगा। बक़िया ज़बानों के कोर्स के लिये असातज़ा के ओहदों की मन्जूरी के लिये हुकूमत से गुज़ारिश की जायेगी।**
5– जदीद (माडर्न) फ़ारसी, अरबी और उर्दू की इत्मीनानबख़्श पढ़ाई यक़ीनी बनाने के लिए इन ज़बानों के तलफ़्फ़ुज़ सिखाने के लिए लिसानी (भाशायी) लेबोरेटरी क़ायम किया जाना ज़रूरी है।	❖ **मा0 सदस्यों को इस फैसले की कार्रवाई से अगली मीटिंग में बाख़बर किया जायेगा।**
6– यूनिवर्सिटी में हिन्द–इस्लामी मख़्तूतात (पाण्डुलिपियों) की डिजिटल लाइब्रेरी क़ायम करने की तजवीज़ सही है। इसके ज़रिए रिसर्च करने वालों को इण्टरनेट के वसीले से मख़्तूतात की फ़ीस अदायगी की बुनियाद पर इस्तेमाल करने की सहूलियत मिल सकेगी। मख़्तूतात के तर्जुमें उर्दू, हिन्दी और अंग्रेज़ी में कराए जाएं। इलाहाबाद में अरबी, फ़ारसी के मख़्तूतात हैं, कई सौ साल पुरानी तस्वीरों के मख़्तूतात हैं, उनकी हिफ़ाज़त करना ज़रूरी है। उनका तर्जुमा भी उर्दू, हिन्दी और अंग्रेज़ी में होना चाहिये।	हिन्द–इस्लामी मख़्तूतात (पाण्डुलिपियों) की डिजिटल लाइब्रेरी क़ायम करने के लिए लाइब्रेरियन और दूसरे साज़ व सामान की ज़रूरत पड़ेगी। इस पर अलग से प्रोजेक्ट तैयार करने की ज़रूरत है और हुकूमत से लाइब्रेरियन और बुक लिफ्टर के ओहदे मंजूर हो गये है, इस पर जल्द कार्रवाई की जायेगी। इलाहाबाद के अलावा दूसरे मक़ामात में भी अरबी व फ़ारसी आदि के मख़्तूतात मौजूद हैं, प्रोजेक्ट की मन्जूरी के लिये हुकूमत से कोशिश की जा रही है। मख़्तूतात की केटेलागिंग और हिफ़ाज़त के तरीक़े पर मा0 कुलपति ने रामपुर और लखनऊ के लाइब्रेरीज़ का दौरा किया और 18 अप्रैल 2013 में मुम्बई के लाइब्रेरीज़ का दौरा होना

Scanned with CamScanner

	है।
7— अभी यूनिवर्सिटी के पास सिर्फ 30 एकड़ ज़मीन है जो काफी नहीं हैं। हुकूमत ने 25 एकड़ ज़मीन और हासिल करने की तजवीज़ पर मंज़ूरी दे दी है। आला सतह पर लिए गए फैसले के मुताबिक वाइस चांसलर की कयादत में निर्माण निगम के आला अफसरों ने ग्रेटर नोएडा में ज़ेरे तामीर गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के कैम्पस को 19 जुलाई, 2010 को मौके पर देखा। इन अफसरों का मशवरा है कि कम से कम 125 एकड़ ज़मीन और हासिल किया जाना ज़रूरी लगता है। इस पर हुकूमत की मंज़ूरी जल्द हासिल की जाए।	यू0पी0 हुकूमत ने यूनिवर्सिटी कैम्पस और सीतापुर–हरदोई बाईपास रोड के बीच वाक़े (स्थित) तक़रीबन 28.5 एकड़ प्राइवेट ज़मीन को हासिल (अधिग्रहण) करने और तक़रीबन 2.2 एकड़ ग्राम सभा की ज़मीन को दुबारा वापस हासिल करने (पुनर्ग्रहण) की तजवीज़ को मंज़ूरी दे दी है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी के दूसरे जानिब तक़रीबन 16.8 एकड़ सीलिंग की ज़मीन दोबारा हासिल (पुनर्ग्रहण) की जायेगी। यूनिवर्सिटी के दूसरी तरफ तक़रीबन 120 एकड़ ज़मीन लखनऊ डेवलपमेन्ट अथॉरिटी के ज़रिये से मुस्तक़बिल की ज़रूरतों को हासिल करने की तजवीज़ हुकूमत में ज़ेरे ग़ौर है। ❖ **तारीख़ 8 अप्रैल 2013 को डी0एम0 आफिस में यूनिवर्सिटी कैम्पस और सीतापुर–हरदोई रोड बाईपास के बीच वाक़ेअ लगभग 28 एकड़ प्राइवेट भूमि ज़मीन को दोबारा वापिस हासिल करने और लगभग 2 एकड़ ग्राम सभा की ज़मीन को Requisition करने के सिलसिले में मीटिंग हुई जिसमें स्पेशल लैण्ड एकुज़ीशन आफिसर ने बाख़बर किया कि जल्द ही ज़मीन Acquire और Requisition की कार्रवाई मुकम्म्ल की जायेगी।**
8— यूनिवर्सिटी के ज़रिए ऐसे कोर्सज़ का इन्तख़ाब किया जाना बेहतर होगा जिनको पढ़ने के बाद तलबा को आसानी से बारोज़गार बनाया जा सके। इसलिए पेशावराना (Vocational) कार्सेज़ को तरजीह दी जाएगी।	डिपार्टमेन्ट ऑफ वोकेशनल रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग के असातिज़ह के ओहदे की मंजुरी की तजवीज़ हुकूमत को भेजी गयी थी। अभी असातिज़ह के ओहदे मंजूर नहीं हुए हैं। हुकूमत से दुबारा गुज़ारिश की जाएगी। इस बीच मंजूर ओहदों से वोकेशनल कोर्स चलाने के इम्कानात पर ग़ौर किया जायेगा।
9— यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेन्ट/स्कूलों का आला लियाक़त के मरकज़ (Centre of Excellence) की शक़्ल में क़ायम किया जाए और चलाया जाए। इसके लिए दूसरी आला दर्जे की यूनिवर्सिटियों से इश्तराक (Collaboration) क़ायम किया जाए।	इस पर तदरीसी (शिक्षकों)/ग़ैर तदरीसी (शिक्षणेत्तर) ओहदों पर तक़र्रुरी (तैनाती) के बाद मुमकिन कार्रवाई की जाएगी।
10— यूनिवर्सिटी के ज़रिए इग्नू (Indira Gandhi National Open University) दिल्ली, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, चेन्नई, की तरह ख़तोकिताबत के वसीले से मुरासलाती (पत्राचार) कोर्स और इन्टरनेट के ज़रिए ऑन लाइन पढ़ाई का इन्तज़ाम करना चाहिए। मुरासलाती और ऑन लाइन सिस्टम से उर्दू,	मोरख़ा 23 मई 2011 को इग्नू के साथ MoU हो चुका है। तदरीसी/ग़ैर तदरीसी ओहदों पर तक़र्रुरी होने के बाद इस पर कार्रवाई की जाएगी। मोरख़ा 6 मार्च 2013 में IGNOU और झडब्न्।थ्न के वाइस चांसलर्ज़ की कोआर्डिने ान कमेटी की पहली मीटिंग हुई जिसमें MoU के लागू करने के मसायल पर बात हुई और MoU को फिर से दोबारा ड्राफ्ट करने का फैसला हुआ।

Scanned with CamScanner

अरबी और फारसी के नये पढ़ने वालों, जिन्होंने स्कूल की सतह पर ये जबाने नहीं पढ़ी हैं को भी इन जबानों को सीखने की सहूलियत मिल सकेगी।	
11— ये फैसला किया जा चुका है, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लाक, एकेडमिक ब्लाक और गेस्ट हाउस व वाइस चांसलर लाज का इफ्तिताह मोहतरमा वजीर आला के मुबारक हाथों से कराया जाए।	लइब्रेरी और गेस्ट हाउस की तामीर मुकम्मल होने के बाद इस पर अमल किया जायेगा। एकेडमिक ब्लाक, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लाक और वी0सी0 लाज की तामीर जल्द कराने के लिए हुकूमत से रकम मंजूर कराने की कार्रवाई चल रही है।
12— सूबे में मदरसों के ज़रिए दसवीं और बारहवीं क्लास तक पढ़ाई अरबी, फ़ारसी या उर्दू के वसीले से कराई जा रही है। मदरसों के इन कोर्सेज़ को उ0प्र0 हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट बोर्ड या सी0बी0एस0सी0 /आई0सी0एस0सी0 के ज़रिए तसलीम नहीं किया गया है। इसके सबब मदारिस के 10+2 की तालीम पाने वाले तलबा को डिग्री सतह की पढ़ाई करने के लिये बहुत महदूद रास्ते मिल पाते हैं। ऐसे तलबा को आम डिग्री कोर्सज़ की पढ़ाई करने की सहूलियत देने के लिए एक साल ब्रिज कोर्स की शुरूआत की जानी चाहिए जिनमें उन मज़मूनों की पढ़ाई करायी जाए जो मदारिस में कोर्स में शामिल नहीं थे। ब्रिज कोर्स पास करने के बाद मदारिस के 10+2 सर्टिफ़िकेट को आगे की पढ़ाई के लिए तसलीम किया जाए। दूसरा तरीक़ा यह भी हो सकता है कि मदरसे के 10+2 पास करने वाले तलबा को डिग्री सतह की पढ़ाई मुहैय्या कराने के लिए ऐसा दाख़िला टेस्ट शुरू किया जाए जिसमें सभी ज़रूरी मज़ामीन शामिल हों। दाख़िला टेस्ट पास करने वाले मदारिस के 10+2 वाले तलबा को डिग्री सतह की कार्सेज़ में दाख़िला के लायक तसलीम कर लिया जाए।	मदारिस के 10+2 पास तालिबइल्मों के लिए ब्रिज कोर्स और दाख़िला टेस्ट की शुरूआत तदरीसी और ग़ैर तदरीसी ओहदों की तक़र्रुरी के बाद की जा सकेगी। चूंकि अभी तदरीसी ओहदों पर भर्ती के कार्रवाई चल रही है और इस सिम्त में यक़ीनी तौर पर कार्रवाई की कोशिश की जायेगी।
13— उर्दू, अरबी और फ़ारसी ज़बान को बढ़ावा देने के लिए असातिज़ह और दूसरे स्टाफ के इन्तिख़ाब में उर्दू, अरबी या फ़ारसी और कम्प्यूटर का इल्म रखने वाले उम्मीदवारों को तरजीह देने की तजवीज़ मंजूरी के लिए मुअज़्ज़िज़ मेमबरान के सामने पेश है, चुंकि ये यूनिवर्सिटी उर्दू, अरबी और फ़ारसी की तहज़ीब को बढ़ावा देने के लिये क़ायम की गई है और साथ में रोज़गार के कोर्सेज़ को अव्वलियत देना भी ज़रूरी है, इसलिए तजवीज़ है कि तालीम और इम्तिहान के वसीले अंग्रेज़ी में हों लेकिन जो	यूनिवर्सिटी के स्टेट्यूट्स में उर्दू, अरबी या फ़ारसी और कम्प्यूटर का इल्म रखने वाले उम्मीदवारों को तरजीह देने की तजवीज को शामिल करने के लिये हुकूमत को खत भेजा जा चुका है।

Scanned with CamScanner

तलबा या तालिबात किसी मज़मून को उर्दू में पढ़ना चाहें या बज़रिया उर्दू इम्तिहान देना चाहें उसका भी माकूल इन्तेज़ाम किया जाये।	

(ख) एग्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल के ज़रिये तारीख़ 21 सितम्बर 2012 में दिये गये मशवरों और तजवीज़ों पर यूनिवर्सिटी के ज़रिये की गई कार्रवाई–

(1) डा0 चन्द्र विजय चतुर्वेदी के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
लॉ का 5 साल का कोर्स ठीक है।	कानून फैकल्टी के लिये ओहदे मन्जूर होने के बाद कार्रवाई हो सकेगी।
नये इल्हाक़ के दायरे को बढ़ा कर हिन्दुस्तान कर दें।	मौजूदा एक्ट में सिर्फ उ0प्र0 तक दायरा कार महदूद है।
जो अक़ल्लियती इदारे पहले से क़ायम हो चुके हैं उनके इल्हाक़ पर फौरन तवज्जो दी जाये।	हुकूमत की नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ग़ौर किया जायेगा।
नये डिग्री कालेजों के इल्हाक़ के लिये ज़मानत की रक़म, ज़मीन और बिल्डिंग के मेयार (मापदंड) को कम किया जाये।	स्टेट्यूट्स में शामिल किया गया है जो हुकूमती सतह पर क़ाबिले ग़ौर है।
हुकूमते हिन्द ने अक़लियती इदारों के लिये माली इमदाद का पैकेज मन्जूर किया है, उस से मदद ली जाये।	इस सिलसिले में तदरीसी अमला आने के बाद एक लायह ए अमल तैयार किया जायेगा ताकि मुस्बत क़दम उठाया जा सके।
स्कूलों और मदरसों को माडर्नाइज़ करने की ज़रूरत है। उनको मदद और पैकेज देने की ज़रूरत है।	हुकूमत से उ0प्र0 यूनिवर्सिटी एक्ट 1973 की दफ़ा–7 (ख) के तहत नोटिफ़िकेशन जारी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

(2) प्रो0 मोहम्मद मियां के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
जामिया मिल्लिया इस्लामिया का 6 माह का फासलाती (पत्राचार) कोर्स चल रहा है। उस का तसलसुल (निरंतर) क़ायम करने पर ग़ौर कर लिया जाये।	फासलाती कोर्स शुरू करते वक्तत इस पर गौर किया जायेगा।
पेशावराना कोर्स को तरजीह देना सही है लेकिन 5 साल का कोर्स फौरन शुरू न करें।	नोट किया गया।
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की तर्ज पर मसावी कमेटी (Equivalence Committee) बना ली जाये जो तय करे कि कौन से मदरसों के कोर्स यूनिवर्सिटी के ज़रिये तसलीम (मान्य) किये जायें।	अमल किया जायेगा।
पहले स्ट्रक्चर सोच लें। स्कूल, डिपार्टमेन्ट, सेन्टर का स्ट्रक्चर क़ायम करना वग़ैरह।	यूनिवर्सिटी का स्टेट्यूट (Statute) हुकूमत में मंजूरी के लिए ज़ेरे ग़ौर है।
उ0प्र0 में उर्दू पढ़ने वालों की तादाद कम होती जा रही है। इस यूनिवर्सिटी से वलवला (जोश) पैदा होगा।	नोट किया गया।
ब्रिज कोर्स खुद करायें, आउट सोर्स न करायें।	नोट किया गया।
डायरेक्ट्रेट ऑफ डिस्टेन्स एजुकेशन बनायें।	एजेण्डा प्वाइंट 3.1 के पैरा–10 में शामिल कर लिया गया है।

Scanned with CamScanner

(3) श्री बदी नारायण के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं—

मशवरह	कार्रवाई
यूनिवर्सिटी ग्रान्ट्स कमीशन से तबक़ों की शुमूलियत (समावेश) का मुताला (अध्ययन) करने पर ग्रान्ट मिल सकती है।	तालीमी–साल शुरू होने के बाद इस नुक्ता पर कार्रवाई की जाएगी।
गैर लिसानी या गैर भाषाई हाशिये पर पड़े तबक़ात का मुताला भी शामिल किया जाये।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है। जिस पर मुस्तक़बिल में मुमकिन कार्रवाई की जाएगी।
मग़रिबी मुमालिक (पश्चिमी देशों) की यूनिवर्सिटी से भी इश्तराक़ क़ायम किया जाये।	मुस्तक़बिल में मुमकिन कोशिश जाएगी।
यू0जी0सी0, तसव्वुरात (परिकल्पना) और तकनीक पर मौज़ुआती (विषयगत) वर्कशाप कराई जाये।	मुस्तक़बिल में मुमकिन कोशिश जाएगी।
मारजिनेलिटी को ख़त्म करने की कोशिश कर रहे हैं। जो ज़बानें मारजिन पर हैं उन्हें सपोर्ट करें।	नोट किया गया।
नोमैडिक्स (ख़नाबदोश) को भी जोड़ सकते हैं।	नोट किया गया।
पब्लिकेशन भी हो।	नोट किया गया।
लिसानियात एक बड़े कार्पोरेट की शक्ल ले रहा है। मिडिल ईस्ट और जहां उर्दू, अरबी, फ़ारसी पर काम हो रहा है उससे जुड़े।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है। जिस पर मुस्तक़बिल में मुमकिन कार्रवाई की जाएगी।
वर्कशाप हो।	नोट किया गया।

(4) प्रो0 नसीर अहमद खां के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं—

मशवरह	कार्रवाई
अदब की ज़रूरत नहीं है। इसके लिये बहुत सी यूनिवर्सिटी हैं। ज़बान पर तवज्जुह देने की ज़रूरत है।	नोट किया गया।
तहक़ीक़ पर मबनी (शोध आधारित) ज़बान की तरक़्क़ी का कोर्स ज़रूर शामिल किया जाये।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है, जिस पर अगले मरहले में मुमकिन कार्रवाई की जाएगी।
उर्दू को इस क़ाबिल बनाया जाये जो तमाम चीज़े झेल सके।	हुकूमत ने यूनिवर्सिटी में सिर्फ भाोब ए उर्दू के लिये 14 असामियां मन्जूर की हैं, इन असातिज़ा से इस सिलसिले में काम लिया जायेगा।
क़लील मुद्दती (अल्पकालीन) कोर्सेज़ शुरू किए जाएं।	पढ़ाई शुरू होने पर इस मशवरे पर अमल किया जाएगा।
ज़बान की तरक़्क़ी के लिए रिसर्च की सतह पर कोर्स शुरू किए जाएं।	अगले चरण में इस पर कार्रवाई की जायेगी।
मदरसे के तालिबइल्मों के लिए उर्दू कोर्स (6 माह का) भी शुरू किया जा सकता है। साढ़े चार साल में मदरसे के तालिबइल्म डिग्री हासिल कर सकते हैं।	पढ़ाई शुरू होने पर इस मशवरे पर अमल किया जाएगा।
खत्ताती (कैलीग्राफ़ी) का फन ख़त्म हो रहा है। तुग़रा नवीसी का फ़न ख़त्म है। वो हमारा सक़ाफ़ती सरमाया है। गोल्डेन ट्रेज़र को ज़ाया न	इस कोर्स को शुरू करने के लिए हुकूमत से गुज़ारिश की जाएगी।

Scanned with CamScanner

होने दें। इसके लिए एक कोर्स करें जिससे ये फन ज़िन्दा रह सकें।	
लाखों किताबें पड़ी हैं जिनमें दीमक लग रही है। यूनेस्को से माली इमदाद ली जा सकती है।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है। यूनिवर्सिटी स्टाफ की भर्ती होने पर इस मशवरे पर अमल किया जाएगा।
सोशल कल्चरल इन्स्टीट्यूशन जैसे मुशायरा, दास्तानगोई वग़ैरा को बचाने की ज़रूरत है। इनके ज़रिए उर्दू का फरोग़ हुआ है।	नोट किया गया।
उर्दू रस्मे ख़त सिखने की ज़रूरत है।	नोट किया गया।

(5) निहाल रिज़वी के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
यहां के तालिब इल्म बाहर जाकर रोज़गार से जुड़ें।	नोट किया गया।
लैब में स्टडी करना अलग है, मौके पर जाकर स्टडी करना अलग है।	नोट किया गया।
उर्दू, अरबी, फ़ारसी के एक एक माहिर ईरान, जामिया अज़हर, जामिया मदीना मुनव्वरा जाकर मौक़े पर देखें।	नोट किया गया।

(6) प्रो0 अब्दुल वदूद अज़हर के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
स्पेनिश को ज़रूर रखें। इसका बहुत बड़ा मार्केट है। चीनी, जापानी भी शामिल की जाए।	नोट किया गया।
फ़ारसी सबसे ज़्यादा सेक्यूलर ज़बान है। हिन्दुस्तान का जितना भी तआरूफ़ फ़ारसी से हुआ वो किसी और ज़बान से नहीं हुआ। कोई हिन्दू ग्रन्थ ऐसा नहीं है जिसका तरजुमा फ़ारसी में नहीं है।	नोट किया गया।
मदरसे के तालिब इल्मों ज़बान की महारत के लिए चुना जा सकता है।	नोट किया गया।
माडर्न लैंग्वेज की पढ़ाई कम से कम 5 साल करने के बाद दीनियात वग़ैरा पढ़ाएं।	एकेडमिक काउन्सिल फैसला कर सकेगी।
इन्दिरा गांधी आर्ट एण्ड कल्चर सेन्टर में मिशन फार प्रिज़र्वेशन आफ परशियन लैग्वेज है।	नोट किया गया।
ईरानी एम्बेसी के मरकज़ नूर में 25000 मख़्तूतात जो हिन्दुस्तान में मौजूद हैं उनकी माइक्रोफिल्म बनाई गई है।	MoU के लिए मरकज़ी हुकूमत से गुजारिश की गई है।
वस्त (मध्य) एशियाई मुमालिक भी फ़ारसी का इस्तेमाल करते हैं।	नोट किया गया।
ईरान हर तरह मदद करेगा। असातिज़ा (शिक्षक), किताबें, वज़ीफ़े वग़ैरा भी मुहैय्या कराएगा।	अमल किया जायेगा।
मदरसे के लिए सेल बनाया जाए। हर मदरसे के बारे में जानकारी ली जाए और मदद की जाए।	एजेण्डा प्वाइंट 3.1 के पैरा–2 में शामिल कर लिया गया है।
तक़ाबुली अदब ज़रूरी है।	अमल किया जायेगा।

Scanned with CamScanner

(7) डा0 मो0 रफ़ीक़ के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
यूनिवर्सिटी का लोगो हो।	अमल किया जायेगा।
मदरसों को मेन स्ट्रीम में लायें।	नोट किया गया।
पेशावराना कोर्सेज़ को तरजीह दें।	एजेण्डा प्वाइंट 3.1 के पैरा–8 में शामिल कर लिया गया है।
बहुत जल्दबाज़ी की ज़रूरत नहीं है। शुरूआत में कम कोर्स शुरू करें।	फिलहाल हुकूमत ने 16 मज़ामीन के लिये तदरीसी ओहदे मन्जूर किये हैं, जिसकी कार्रवाई चल रही है।
शुरू में सहाफ़त, तरजुमा वग़ैरा रखें।	मुअज्ज़ज़ मेम्बर की कीमती राय नोट की गई।

(8) प्रो0 शब्बीर अहमद के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
सियाहत को जोड़ा जाये जो मैनेजमेन्ट से जुड़ा है।	अगले मरहले में इस डिपार्टमेन्ट की तशकील की कोशिश की जायेगी।
डिजिटल लाईब्रेरी के साथ बी0एल0आई0एस0सी0, एम0एल0आई0एस0सी0 को कोर्स में जोड़ा जाये।	इस पर कार्रवाई की जायेगी।
यूनिवर्सिटी कोर्सेस के साथ साथ बी0एड0 कोर्स चलाने को मद्दे नज़र रखा जाये।	हुकूमत ने बी0एड0 के लिये 6 ओहदे मन्जूर किये हैं।
अरबी, फ़ारसी की तदरीस (शिक्षण) की ट्रेनिंग ज़रूरी है।	नोट किया गया।
कालेज और बी0ए0 की सतह पर फ़ारसी, अरबी के अच्छे तालिब इल्म नहीं मिलते। यूनिवर्सिटी की सतह पर मिल सकते हैं।	नोट किया गया।
अरबी, फ़ारसी के डिपलोमा, सर्टिफ़िकेट कोर्स चलाये जायें, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की तर्ज पर।	अध्यापकों की भर्ती होने के बाद इस मशवरे पर ग़ौर किया जाएगा।
अरब कल्चर में बी0ए0, एम0ए0 हो।	नोट किया गया।
मैनेजमेन्ट और कामर्स के साथ एक साल का अरबी बोलचाल का डिपलोमा हो।	नोट किया गया।

(9) अनवर जलालपुरी के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
मदरसे के तालिब इल्म के विज़न में फैलाव नहीं होता। बी0ए0 में मदरसे के तालिब इल्म को दाख़िला मिलना चाहिए।	नोट किया गया।
सम्पूर्णनन्द यूनिवसिटी, गुरूकुल कांगड़ी, महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के निसाब (पाठ्यक्रम) को देख लिया जाए।	नोट किया गया।

Scanned with CamScanner

(10) डा0 मेराज अहमद के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
अकलियती इन्टर कालेज को प्रोमोट करना चाहिए।	नोट किया गया।
अकलियत की तालीम का दायरा वसी किया जाए जिस के लिए यूनिवर्सिटी ऐसे इंस्टीट्यूट को तलाश करें और उनसे कहें कि आला तालीम को प्रमोट करे।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है। हुकूमत के नाटिफिकेशन जारी होने के बाद इस मशवरह पर अमल किया जाएगा।
जिन कालेजों मे ग्रेजुएट कोर्स चल रहे हैं उनको आगे क्या करना है इस पर रहबरी की जाए।	पढ़ाई शुरू होने पर इस मशवरे पर अमल किया जाएगा।
देही इलाकों मे मुरासलाती कोर्स को साथ लेकर चलना चाहिए।	मुअज़्ज़िज़ मेम्बर की क़ीमती राय नोट की गई है।

(11) डा0 मज़हर हुसैन के ज़रिये दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
कोर्सेज़ क़लील मुद्दती हों।	नोट किया गया।
लैंग्वेज कोर्सेज़ में ऐसे कोर्स भी डिज़ाइन किए जाएं जो ग़ैर उर्दूदां के लिए हो।	नोट किया गया।
टेक्निकल कोर्सेज़ के बारे में तय करना है कि अभी करना है या बाद में।	नोट किया गया।

(12) प्रो0 सै0 ज़हीर हुसैन जाफ़री के ज़रिए दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई निम्न हैं–

मशवरह	कार्रवाई
एक 5 साल का इन्टीग्रेटेड कोर्स ऐसा हो जो बर्रे सग़ीर हिन्द के स्कालरों के ज़रिए (अरबी में) मज़हब, क़ानून, अदब और एथिक्स (एख़्लाक़ियात) पर किए गए काम पर मरकूज़ हो।	नोट किया गया।

Scanned with CamScanner

3.2 एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल की जानिब से नये कुलपति के नाम को पेश करने वाली सर्च कमेटी के लिये एक मेम्बर की नामज़दगी।

मा0 सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से प्रो0 मो0 सलाउद्दीन उमरी, पूर्व विभागाध्यक्ष अरबी विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी, अलीगढ़ को नामज़द किया गया।

3.3 अध्यापकों की भर्ती के लिये सेलेक्शन कमेटी के ज़रिये इण्टरव्यू में मुनतख़िब उम्मीदवारों की तकर्रुरी की मंजूरी।

सेलेक्शन कमेटी द्वारा संस्तुत नामों का अनुमोदन कार्यपरिषद द्वारा किया गया। विवरण निम्नवत है–

क्रं. सं.	साक्षात्कार का दिनांक	विषय	पदनाम	श्रेणी	चयनित अभ्यर्थी का नाम	प्रतीक्षा सूची
1	4.2.2013	फ़ारसी	प्रवक्ता	सा0	डॉ0 मो0 जावेद अख़्तर पुत्र प्रो0 ईद मो0 अंसारी	डॉ0 आरिफ़ हसनैन खान पुत्र स्व0 श्री ज़फ़रूल हसन खान
2	6.2.2013	अर्थशास्त्र	प्रवक्ता	अ.जा.	कोई अभ्यर्थी उपयुक्त नहीं पाया गया	–
3	11.2.2013	कम्प्यूटर अप्लीकेशन	प्रवक्ता	सा0	डॉ0 अल्का पत्नी श्री रितुल अग्रवाल	डॉ0 संतोष के. पाण्डेय पुत्र श्री आर0पी0 पाण्डेय
			प्रवक्ता	अपिव	डॉ0 मज़हर ख़लिक़ पुत्र श्री अब्दुल ख़ालिक़	–
4	26.2.2013	शारीरिक शिक्षा	प्रवक्ता	अपिव	डॉ0 मो0 शारिक़ पुत्र श्री शरीफ़ अहमद	डॉ0 कृष्णकांत पुत्र श्री आर. यन. यादव
5	28.2.2013	वाणिज्य	आचार्य	सा0	डॉ माहरूख़ मिर्ज़ा पुत्र स्व0 श्री कमर हुसैन	–
			उपाचार्य	अपिव	डॉ ऐहतेशाम अहमद पुत्र श्री मुमताज अहमद	–
			प्रवक्ता	सा0	डा0 नीरज शुक्ला पुत्र श्री कुमुद कृष्णा शुक्ला	डॉ0 संजय कुमार जोयल पुत्र श्री सेसिल नोरिस जोयल
			प्रवक्ता	अ.जा.	कोई अभ्यर्थी उपयुक्त नहीं पाया गया	–
6	11.3.2013 से 15.3.2013	उर्दू	आचार्य	सा0	डॉ0 तलत हुसैन नक़्वी पुत्र श्री सैयद साबिर हुसैन नक़्वी	डॉ0 सैयद शफ़ीक़ अहमद अशरफी पुत्र श्री सैयद मंजूर अहमद अशरफी
			उपाचार्य	सा0	डॉ0 फख़रे आलम पुत्र श्री नूरूल हुदा	डॉ0 अब्दुल हफीज़ पुत्र श्री नसीम अहमद
			उपाचार्य	अपिव	डॉ0 सौबान सईद पुत्र शफीकुर्रहमान	डॉ0 सीमा शाह पत्नी अख़्तर अली
			प्रवक्ता	सा0	1. डॉ0 मुर्तज़ा अली अतहर पुत्र श्री ज़हीरूद्दीन अकबर 2. डॉ0 मो0 अकमल पुत्र स्व0 श्री मो0 अकरम	1. डॉ0 फख़रे आलम पुत्र श्री नूरूल हुदा 2. डॉ0 अलाउद्दीन खान पुत्र श्री नसीरूद्दीन खान 3. सईद अहमद पुत्र श्री अबुल कलाम
			प्रवक्ता	अपिव	डॉ0 वसी अहमद आज़म अंसारी पुत्र श्री हबीबुर्रहमान	1. ख़लीकुज़्ज़मा पुत्र श्री मज़हरूल हक़

Scanned with CamScanner

						2. डॉ0 तनवीर अहमद पुत्र श्री वसीमुल्लाह
			प्रवक्ता	अ.जा.	डॉ0 संजय कुमार पुत्र श्री राम लखन	श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री इन्द्रजीत
7	18.3.2013	भूगोल	प्रवक्ता	सा0	डॉ0 सबीना बानो पुत्री श्री एम.ए. अंसारी	1. डॉ0 सैयद कौसर शमीम पुत्र श्री मो0 शमीम 2. श्री तराब्बुर हुसैन ज़ैदी पुत्र श्री तजम्मुल हुसैन ज़ैदी
			रीडर	अपिव	कोई अभ्यर्थी उपयुक्त नहीं पाया गया	–
8	22.3.2013	अंग्रेज़ी	उपाचार्य	सा0	डॉ0 तनवीर खदीजा पत्नी श्री अल्ताफ हुसैन	–
9	2.4.2013	गृह विज्ञान	प्रवक्ता	सा0	कु0 प्रियंका पुत्री श्री चंदन सूर्यवंशी	कु0 स्मिता गौतम पुत्री डॉ0 सतीश कुमार गौतम
			प्रवक्ता	अपिव	कु0 ततहीर फात्मा पुत्र श्री ज़ैनुल आब्दीन	कु0 पूजा वर्मा पुत्री श्री अरविन्द वर्मा
10	5.4.2013	इतिहास	प्रवक्ता	अ.जा.	डॉ0 पूनम पत्नी डॉ0 अजय कुमार चौधरी	कुमारी प्रीति सिंह पुत्री श्री पी0सी0 प्रसाद
11	7.4.2013 से 8.4.2013	अरबी	आचार्य	सा0	डॉ0 मसूद आलम पुत्र स्व0 श्री अब्दुल जलील	–
			प्रवक्ता	सा0	डॉ0 अब्दुल हफ़ीज़ पुत्र श्री मो0 ईसा खान	डॉ0 ज़र निगार पुत्री श्री अब्दुल अहद खान

3.4 युनिवर्सिटी की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट की मंजूरीः–

कार्यपरिषद द्वारा शासन को पूर्व प्रेषित डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट की मंजूरी दी गई।

3.5 दीगर निकात सदरे मोहतरम की इजाज़त से–

तारीख़ 15 अप्रैल 2013 को एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल की तीसरी मीटिंग में मुअज़्ज़िज़ मेम्बरान के ज़रिये दिये गये मशवरे

प्रो0 नसीर अहमद खान के ज़रिये दिया गया मशवरह–

उर्दू अरबी और फ़ारसी ज़बानों की तरक्की के लिये एक रिसर्च इंस्टीट्यूट का क़याम किया जाये ताकि इन ज़बानों की तालीम को लिसानियात के जदीद उसूलों की मदद से फ़रोग़ दिया जाये।	

प्रो0 सैयद ज़हीर जाफ़री के मशवरे–

इस यूनिवर्सिटी के मुनासबत से मदारिस के तलबा के लिये इन्टीग्रेट कोर्स चलाया जाये। इसी से मुतअल्लिक़ एक और मसअला मदारिस के सर्टिफिकेट और असनाद के तस्लीम करने का है। इस सिलसिले में हिन्दुस्तान की दूसरी यूनिवर्सिटियों जैसे अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली और जवाहर लाल नेहरु	

Scanned with CamScanner

यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के तस्लीम करने के तरीके को नमूना बनाकर इस सिम्त में पेश कदमी की जाये। मदारिस के तलबा के लिये एक ऐसा पांच साला कोर्स तैयार किया जाये जिस की मदद से मदारिस की असनाद को दूसरे असनाद के बराबर/मसावी बनाया जा सके।	

डा0 चन्द्र विजय चतुर्वेदी की जानिब से दिये गये मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई:

उत्तर प्रदेश के जो कालेज हैं वहां ग्रेजुएशन की सतह पर उर्दू तालीम का इन्तिज़ाम नहीं है। सितम ज़रीफी यह है कि मौजूदा वक़्त में स्कूल की सतह पर भी उर्दू मुश्किल दौर से गुज़र रही है। इस लिये संजीव महाविद्यालय की तर्ज़ पर बी0ए0 पास सभी तलबा एक सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स करें। मदारिस के तलबा को अंग्रेज़ी लाज़मी तौर पर पढ़ाई जाये। इस सिलसिले में दो क़िस्म के ब्रिज कोर्स चलाये जा सकते हैं। जो तलबा उर्दू, अरबी, फ़ारसी बैक ग्राउन्ड से आते हैं उन्हें अंग्रेज़ी मज़मून की तालीम दी जाये और जो तलबा हिन्दी या अंग्रेज़ी स्कूलों से तालीम हासिल करके यूनिवर्सिटी में दाखिला लेते हैं उनके लिये उर्दू को लाज़मी किया जाये। डा0 चतुर्वेदी ने मुत्तला किया कि एक्ज़ीक्यूटिव काउन्सिल ने यह फैसला किया है कि किसी खास मौक़े पर यूनिवर्सिटी टीचर्स की तक़र्रुरी करने का हक़ रखती है।	

श्री अनवर जलालपुरी का मशवरह–

उ0प्र0 मदरसा एजुकेशन बोर्ड को सिर्फ सर्टिफिकेट देने का हक़ हासिल है, इसलिये यूनिवर्सिटी को चाहिये कि वह कामिल व फ़ाज़िल के असनाद को बित्तरतीब बी0ए0 और एम0ए0 के मसावी तसलीम करते हुये उन्हें डिग्री का दर्जा तफ़वीज़ करे।	

डा0 ख़्वाजा मोहम्मद यूनुस के मशवरे और उन पर की गई कार्रवाई–

इस यूनिवर्सिटी को भी सम्पूर्णानन्द यूनिवर्सिटी, वाराणसी, की तर्ज़ पर यह अख्तियार दिया जाये कि इस यूनिवर्सिटी के मदारिस का इल्हाक़ खुद बखुद हो जाये।	

प्रो0 शब्बीर अहमद का मशवरा और उन पर की गई कार्रवाई–

मदारिस के इल्हाक़ की तजवीज़ को एकेडमिक काउन्सिल में पेश किया जाना चाहिये।	

Scanned with CamScanner